Edelweiss
Ideas create, values protect
MUTUAL FUND

म्यूचुअल फंड

सेविंग का नया तरीका

AMFI

एक बार की बात है...

ये कहानी है सुरेश की जो करीब 5 साल से एक मुंबई की सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते हैं. मुंबई में सारा जीवन गुजार चुके सुरेश का शहर से बाहर के जीवन की समझ बहुत ही कम है. फिर भी, पिछले कुछ महीनों से सुरेश खेती के प्रति खूब आकर्षण का अनुभव कर रहे हैं. अपनी पिछली यात्रा में वे परिवार के साथ छुट्टियाँ मनाने नाशिक गए थे, वहीं पर उनमें अंगूर की खेती करने और प्रोसेसिंग यूनिट्स को अंगूर बेच कर धन कमाने की इच्छा जागी. इसीलिए सुरेश ने अपने सीमित ज्ञान और संसाधनों के साथ ही अंगूर के थोड़े से बीज खरीदे और अंगूर की खेती में कदम रख दिया. फिर भी कौशल का अभाव होने के कारण उन्हें भारी नुकसान सहना पड़ा. अपनी उंगलियाँ जला लेने के बाद उन्होंने मन ही मन सोचा कि खेती का विचार ही गलत है और किसान बनकर कोई भी पैसे नहीं कमा सकता.

सुरेश की तरह ही हममें से कई लोग सच्चाई की सीमित समझ के साथ वित्तीय बाज़ारों में निवेश करते हैं. और विफलता के अनुभवों तथा अधूरी समझ के कारण भ्रांतियाँ जन्म लेती हैं जिसके चलते हम ऐसे साधनों के माध्यम से निवेश करते हैं जो हमारी प्रोफाइल के अनुरूप नहीं होते. इसके परिणामस्वरूप वित्तीय बाज़ारों के बारे में जीवन भर के लिए गलत सोच घर कर जाती है.

म्यूचुअल फंड में निवेश बाज़ार जोखिमों के अधीन हैं.
निवेश करने से पहले कृपया स्कीम जानकारी दस्तावेज और अतिरिक्त जानकारी का कथन ध्यान से पढ़ें.

....अब फिर से सुरेश की ओर लौटते हैं, यदि उन्होंने समान अभिरुचि रखने वाले कुछ और लोगों को शामिल किया होता तथा खेती की समझ रखने वाले किसी प्रोफेशनल की सेवाएँ ली होतीं तो पेशेवर लोगों की कुशलता का उपयोग करके उन लोगों ने मिलकर अच्छी आमदनी के उनके सपने को साकार कर दिया होता. 'समूह' के सदस्यों से धन जुटा कर और उसे दैनिक गतिविधियाँ चलाने के लिए पेशेवर लोगों को सौंप कर ऐसा किया जा सकता था. असल में धन को सपने की कीमत के अनुसार लगाया जा सकता था. उसी प्रकार, यदि कुछ लोग दीर्घ कालिक निवेश प्रतिफलों में रुचि रखते हैं तो वे धन को एकत्र रख सकते हैं और अपने लक्ष्यों और समय सीमा के अनुसार उचित निवेश को चुन सकते हैं. म्यूचुअल फंड्स लोगों से धन लेकर एकत्र रखते हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार निवेश करते हैं. याद करने लायक बात यह है कि फैसला लक्ष्यों और समय सीमा पर निर्भर होगा.

म्यूचुअल फंड की संकल्पना

01

समान आर्थिक उद्देश्य रखने वाले निवेशक अपने धन को एकत्र लाते हैं

02

आनुपातिक आधार पर निवेशकों को पूल में डाली गई राशि के लिए म्यूचुअल फंड यूनिट्स मिलती हैं

03

निवेशकों से जुटाई गई राशि का शेयर्स, डिबेंचर्स और अन्य सिक्योरिटीज में फंड मैनेजर द्वारा निवेशित किया जाता है

04

फंड मैनेजर लाभ या हानि प्राप्त करता है और डिविडेंड या ब्याज की आय को एकत्रित करता है

05

ऐसे निवेशों से हुए किन्हीं पूँजीगत लाभों या हानियों को निवेशकों द्वारा धारित यूनिटों की संख्या के अनुपात में निवेशकों तक पहुँचा दिया जाता है

म्यूचुअल फंड्स ऐसे लोगों के लिए एक बेहतरीन माध्यम हैं जिनके पास अपने निवेशों का ख्याल रखने के लिए कौशल या समय नहीं होता.

म्यूचुअल फंड की संकल्पना एक सामान्य उद्देश्य को ध्यान में रखकर संसाधनों को एकत्र करने पर काम करती है. दूसरे शब्दों में म्यूचुअल फंड ऐसे धन से बनता है जिसे विशाल संख्या में निवेशकों द्वारा एक साथ रखा जाता है. उनका धन स्टॉक्स और/या अन्य वित्तीय लिखतों जैसे कि बॉण्ड्स/कमोडिटीज के समूह में निवेश करने के लिए प्रोफेशनल (जिसे फंड मैनेजर कहा जाता है) को दिया जाता है. हर म्यूचुअल फंड स्कीम का उद्देश्य म्यूचुअल फंड कंपनी यानी असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा स्पष्ट रूप से व्याख्यायित और सटीकता से वर्णित किया जाता है. सरल शब्दों में म्यूचुअल फंड को एक ऐसी कंपनी माना जा सकता है जो लोगों के समूह को एक साथ लाती है और उनके धन का निवेश स्टॉक्स, बॉण्ड्स और अन्य सिक्योरिटीज में करती है. हर निवेशक के पास यूनिट्स होती हैं जो निवेशक द्वारा निवेशित राशि के आधार पर फंड की धारिता का अनुपात प्रकट करती हैं.

म्यूचुअल फंड : बचत नए अवतार में

हर म्यूचुअल फंड का प्रबंधन फंड मैनेजर द्वारा किया जाता है जो अपने निवेश प्रबंधन कौशल और जरूरी अनुसंधान कार्य का उपयोग करते हुए खुद निवेशक द्वारा प्रबंधन की तुलना में बेहतर प्रतिफल प्रदान करने में सक्षम होता है. पूँजीवर्धन और इन निवेशों से कमाई गई अन्य आय को निवेशकों (जिन्हें यूनिट धारक भी कहा जाता है) द्वारा धारित यूनिटों की संख्या के अनुपात में उन्हें प्रदान कर दिया जाता है. संक्षिप्त में, **म्यूचुअल फंड्स बचत करने का नया तरीका हैं.** आइए हम यूनिट्स की इस संकल्पना को बेहतर ढंग से समझें.

म्यूचुअल फंड्स निवेशकों से धन का वहन करने का माध्यम होते हैं जिसके माध्यम से फंड के निवेश उद्देश्यों और निवेशक की सहमति के अनुसार विभिन्न बाज़ारों और सिक्योरिटीज में निवेश किया जाता है.

यूनिटें. छोटा किंतु दमदार साधन

व्यापक व्याख्या के अनुसार यूनिट एक मात्रा है जिसे सामान्य रूप से विनिमय के लिए एक मानक के रूप में स्वीकार किया जाता है. आइए हम एक उदाहरण के साथ इसे समझें, मान लीजिए कि चॉकलेट के बॉक्स की कीमत रू.40 है. एक बॉक्स में एक दर्जन चॉकलेट्स हैं. चार दोस्त वह चॉकलेट लेने का फैसला करते हैं लेकिन उनमें से प्रत्येक के पास सिर्फ रू.10 हैं. दुकानदार केवल बॉक्स ही बेचता है. इसीलिए दूसरे शब्दों में 4 दोस्त एक दर्जन चॉकलेट खरीदने के लिए रू.10 जमा करते हैं. अपने योगदान के अनुसार उनमें से प्रत्येक को 3 चॉकलेट्स मिलेंगे. हम एक चॉकलेट को एक यूनिट के रूप में मान लेते हैं क्योंकि 12 चॉकलेट्स की कीमत रू.40 है, इस तरह से एक यूनिट (चॉकलेट) की कीमत रू.3.33 है.

हर दोस्त ने रू.10 का योगदान निया था और इसीलिए उन्हें 3 चॉकलेट्स यानी 3 यूनिट्स मिले थे. उसी प्रकार से म्यूचुअल फंड में हर निवेशक को उसके द्वारा निवेश की गई राशि के अनुसार यूनिटों की संख्या मिलती है. इस तरह से अन्य शब्दों में म्यूचुअल फंड में हर निवेशक एक बड़े पिंड का आंशिक मालिक होता है जिसे सभी यूनिट धारकों द्वारा सामूहिक रूप से रखा जाता है.

एक म्यूचुअल फंड शेयर्स या बॉण्ड्स का विकल्प नहीं है बल्कि ये अनेक निवेशकों की बचत को संग्रहित करता है और इस धन को शेयर्स, बॉण्ड्स, मनी मार्केट लिखतों और अन्य प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करता है.

एक निवेशक होने के नाते हर किसी की यह अपेक्षा होती है : बड़े मार्केट में प्रतिभाग, पेशेवर मार्गदर्शन, सुविधाजनक, पारदर्शिता और जब भी ज़रूरत हो बचत तक पहूँच.
आइए हम म्यूचुअल फंड्स के विभिन्न फायदों पर निगाह डालें और जानें कि किस तरह से म्यूचुअल फंड्स में आदर्श निवेश बनने की क्षमता है.

आइए फायदों की गिनती करें

1 पोर्टफोलियो ('निवेश बास्केट') वैविध्यीकरण

बड़ों ने हमेशा हमसे कहा है कि 'अपने सारे अंडों को एक ही टोकरी में नहीं रखें'; दूसरे शब्दों में अपने निवेशों को विभिन्न निवेश बास्केट्स में रखिए यानी वैविध्यीकृत कीजिए. वैविध्यीकरण यानी विभिन्न प्रकार के कई निवेशों में धन को फैलाना. जब एक निवेश का मूल्य कम होता है तो दूसरे का मूल्य बढ़ सकता है. निवेश का वैविध्यीकरण जोखिम को बड़े पैमाने पर घटाता है. यही काम म्यूचुअल फंड्स करते हैं. म्यूचुअल फंड्स विभिन्न सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं इस तरह से एक निवेशक के रूप में आप एक वैविध्यीकृत निवेश बास्केट पाने में सक्षम होंगे, और इस तरह से सुरक्षा बढ़ाई जाती है और जोखिम घटता है.

2 नकदीकरण

जरा कल्पना कीजिए कि आपकी बेटी की शादी है जिसके लिए आप लंबे समय से निवेश कर रहे हैं और निवेश अच्छा प्रतिफल भी दे रहा है. लेकिन जिस दिन आपको इसकी ज़रूरत पडती है, आप अपना धन वापस नहीं पा सकते. यदि व्यक्ति फंड्स का उपयोग नहीं कर सकता है तो ऊँचे प्रतिफलों का कोई उपयोग नहीं है. असल में, हम सभी को ज़रूरत पडने पर पैसे चाहिए होते हैं. इसे नकदीकरण कहा जाता है क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारी बचत हमारे उपलब्ध हो ताकि जब भी ज़रूरत पडे उसे निकाला जा सके. म्यूचुअल फंड्स ठीक यही खूबियाँ – नकदीकरण, प्रदान करते हैं.

3 कम जोखिम

जैसे कि पहले चर्चा की जा चुकी है, वैविध्यकरण बड़े पैमाने पर जोखिम घटाता है. तथापि, फंड मैनेजर जब इस बांत का फैसला करता है कि किसी निवेश को खरीदें या बेचें तो पहली बात वे जोखिम देखने और फिर प्रतिफल देखने की कोशिश करते हैं. निवेश के किसी अन्य प्रत्यक्ष स्वरूप की तुलना में पूलिंग की संकल्पना के कारण जोखिम को फैलाया जाता है और बड़े पैमाने पर कम किया जाता है.

4 कम ट्रांजैक्शन लागत

हम सभी समझते हैं कि जब कभी हम कोई चीज होलसेल में खरीदते हैं तो हमें रिटेल दरों की तुलना में बेहतर दर मिलती है. इस तरह से अपनी बचत को समुह में रखने वाले और अपनी ओर से सौदा करने के लिए म्यूचुअल फंड को अधिकार देने वाले कई लोग म्यूचुअल फंड्स को मोलभाव करने की शक्ति प्रदान करते हैं और इस तरह से समग्र ट्रांजैक्शन की लागत को घटाता है जिसे हमें चुकाना पड़ सकता था यदि हम उसे खुस से करते.

5 प्रोफेशनल प्रबंधन

क्या हम अपने बाल घर पर काटते हैं? इसका स्पष्ट जवाब है ‘नहीं’. हम नाई के पास जाते हैं जो एक्सपर्ट होता है, बाल काटने में कुशल होता है तथा साथ ही समझते हैं कि नाई हमारी तुलना में यह काम बेहतर कर सकता है. उसी प्रकार से, म्यूचुअल फंड्स में आपके धन का प्रबंधन एक पेशेवर फंड प्रबंधक द्वारा किया जाता है जो बढ़िया अनुसंधान और रुझानों की बेहतर समझ रखने के साथ फंडों का प्रबंधन करने में कुशल होता है.

6 स्कीमों का विकल्प

हम अनेक कारणों से बचत/निवेश करते हैं; कई लोग कुछ वर्ष बाद घर खरीदने के लिए या अब से 10 साल बाद बेटी का विवाह करने या संभवत: 20 वर्ष बाद अपने रिटायरमेंट के लिए ऐसा कर सकते हैं. तथापि चूँकि निवेश का उद्देश्य अलग होता है इसीलिए ‘सभी के लिए एक ही साइज’ वाली बात कारगर नहीं रहेगी. इस प्रकार से निवेश उद्देश्य और समयावधि के आधार पर व्यक्ति म्यूचुअल फंड स्कीमों के गुलदस्ते में से चयन कर सकता है.

7 पारदर्शिता और सुरक्षा

जब भी आप अपनी बचत किसी दूसरे के हाथों में सौंपते हैं तो क्या आप यह नहीं जानना चाहेंगे कि आपके धन के साथ क्या हो रहा है? बेशक, आप जानना चाहेंगे! अपने धन के बारे में जानने का आपको पूरा ‘अधिकार’ है. म्यूचुअल फंड्स के मामले में धन को संभालने का काम पेशेवर फंड प्रबंधक करते हैं. यह प्रणालि अत्यंत पारदर्शी है. अन्य शब्दों में, आपको ठीक से पता होगा कि आपका धन कहाँ जा रहा है. इस प्रकार, पारदर्शिता आपको अपने आप सुरक्षा का अतिरिक्त भाव देगी. पारदर्शी प्रणालि के कारण आपको साभी बातों के बारे में पता चलेगा (जैसे कि आपकी बचत का निवेश कहाँ किया जा रहा है, इसमें से कितना निवेशित किया जा रहा है इ.) और यदि आपको संतोष नहीं है तो आप अपनी बचत को निकाल सकते हैं और उसकी सुरक्षा भी कर सकते हैं.

8 लौचिकता

हर किसी के कमाने और खर्च करने का तरीका एक समान नहीं होता. व्यावसायी और वेतनभोगी व्यक्ति के मामले में आय का प्रवाह अलग अलग होता है. इस प्रकार से निवेश माध्यम/बास्केट लौचिक होना चाहिए और निवेशक अपनी आय के प्रवाह के अनुसार निवेश कर सके. धन की ज़रूरत के मामले में यह बात सत्य है. जैसे कि पहले चर्चा की गई है, विभिन्न निवेश उद्देश्यों वाले लोग अपनी ज़रूरत के अनुसार धन निकालना चाहेंगे. उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति रिटायरमेंट के लिए बचत कर सकता है; लेकिन अप्रत्याशित रूप से कोई बड़ी मेडिकल आपात्स्थिति के कारण वह तुरंत निकासी करने के लिए मजबूर हो सकता है. उस समय निवेश लचीला होना चाहिए ताकि ज़रूरतों को पूरा किया जा सके. म्यूचुअल फंड्स निवेशों और निकासी के दौरान लौचिकता प्रदान करते हैं, जिससे यह आपके लिए सही और श्रेष्ठ पसंद है.

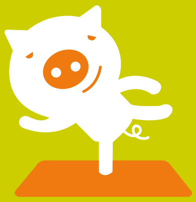

यदि आप ऊपर वर्णित अनेक मुद्दों में से उभरे एक प्रमुख मुद्दा देखें तो हर चरण में सुविधा की बात नज़र आती है. दूसरे शब्दों में, अपना लक्ष्य तय करने के बाद से वास्तविक निवेश तक, आपके निवेशित रहने के समय के दौरान से लेकर हर चरण में अपना धन प्राप्त करने के समय तक आपकी सुविधा का ख्याल रखा जाता है. आइए हम इस मुद्दे का गहराई से अध्ययन करें. एक बार आप अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं तो आप या तो ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन निवेश करने का फैसला कर सकते हैं. धन की निकासी करते समय भी यही स्थिति रहती है. इस पुस्तिका के बाद के हिस्से में हम इसकी चर्चा विस्तार से करेंगे.

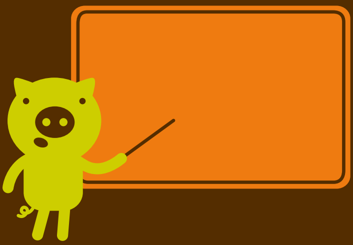

गलतफहमी

म्यूचुअल फंड्स एक्सपर्ट्स के लिए होते हैं.

सच्चाई

असल में बात इसके बिलकुल विपरीत है. इक्विटी मार्केट से हटकर आपको यह फैसला नहीं लेना पड़ता कि शेयर्स कब खरीदें या बेचें. फंड मैनेजर यह काम आपके लिए करेगा. विभिन्न क्षेत्रों और कंपनियों पर निगाह रखना उसका काम होता है और वह तय करता है कि आप तथा अन्य निवेशकों द्वारा दिया गया धन वह कहाँ लगाए.

याद रखिए : संख्या से पहले लक्ष्य

अब तक आपने जरूर देखा होगा कि हम लक्ष्यों के बारे में ज़्यादा बात कर रहे हैं और उन्हें निवेश से जोड़ रहे हैं. मान लीजिए कि आपको खूब सारा पैसा दिया गया है; लेकिन आपको इसे किसी भी चीज पर या किसी भी लक्ष्य के लिए खर्च करने की अनुमति नहीं है और आप न तो इसका निवेश कर सकते हैं या उधार दे सकते हैं न ही दान में दे सकते हैं. तो क्या वह धन आपके लिए किसी उपयोग का है? बेशक, वो धन बिस्तर बनाकर उस पर सोने या नोटों के बंडल से कमरे का पार्टीशन बनाने के अलावा और किसी काम का नहीं है. बहरहाल मुद्दा ये है कि मनुष्य होने के नाते हमारे भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, न कि संख्याएँ. उदाहरण के लिए जब कभी आप अपने परिवार के साथ रेस्टोरेंट जाते हैं तो आपके लिए अहम होता है खाने का मजा लेते हुए उनके चेहरे पर खुशी देखना. खाने/वातावरण पर खर्च की गई धनराशि को देखकर खुशी नहीं मिल सकती.

हमें यह साफ तौर पर समझना होगा कि मानव होने के नाते हम प्रतिफल को भले न समझें और शायद आँकड़ों को भी न समझें. लेकिन हम उसके साथ जुड़े लक्ष्यों को बेशक समझते हैं. उदाहारण के लिए, यदि आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए बचत/निवेश कर रहे हैं तो आपके लिए महत्वपूर्ण ये है कि ज़रूरत पड़ने पर धन उपलब्ध होगा या नहीं और क्या वह पर्याप्त होगा. इस तरह से पहले अपने लक्ष्यों की कल्पना करने और फिर निवेश से जुड़े फैसले करने से आपको उन लक्ष्यों को पाने में मदद मिलेगी.

आइए हम समझें कि एक औसत भारतीय कहाँ और क्यों बचत/निवेश करता है. या तो लोग अपना धन बचत बैंक खाते में अल्पकालिक ज़रूरतों के लिए रखते हैं क्योंकि यहाँ पर मुख्य उद्देश्य होता है पूँजी को सुरक्षित रखना. फिर लोग फिक्स्ड डिपॉजिट्स या पोस्ट ऑफिस योजनाओं में बचाते हैं ताकि प्रतिफल मिले और तीसरा सामान्य निवेश का क्षेत्र है रीयल एस्टेट और सोना जिसमें मुख्य उद्देश्य पूँजी वर्धन का होता है. मोटे तौर पर जब भी आप बचत/निवेश करते हैं तो आप नीचे दिए गए किन्हीं कारणों से ऐसा करते हैं :

1) पूँजी संरक्षण
2) आय का निर्माण
3) पूँजी वर्धन

बेहतरीन बात ये है कि उपरोक्त तीनों परिप्रेक्ष्यों के लिए, म्यूचुअल फंड सबसे सही हैं. आइए हम इन्हें विस्तार से किंतु सरल भाषा में समझें. म्यूचुअल फंड्स अपनी संरचना, घटकों, निवेश उद्देश्यों इत्यादि के आधार पर विभिन्न प्रकार के होते हैं. ये अंतर विभिन्न निवेश ज़रूरतों को पूरा करता है.

निवेश लक्ष्य

पूँजी संरक्षण	सेविंग्स बैंक अकाउंट	पीपीएफ	म्यूचुअल फंड
आय का निर्माण	फिक्स्ड डिपॉजिट्स	पीओ-एमआईएस	म्यूचुअल फंड
पूँजी वर्धन	रीयल एस्टेट	सोना	म्यूचुअल फंड

आपका प्रकार कौन सा है?

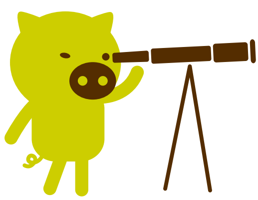

मान लीजिए सुरेश को हर महीने की 30 तारीख को वेतन मिलता है और वे अपने वेतन का 40% हाउसिंग लोन ईएमआई के रूप में अदा करते हैं और उनके ईएमआई का दिनांक हर महीने की 10 तारीख है, या फिर आपातकालीन धन जिसे सुरेश हमेशा सेविंग्स बैंक अकाउंट में रखते हैं. यह धन बैंक पड़ा रहता है और उस पर उन्हें 4% प्रति वर्ष की मामूली दर पर ब्याज मिलता है; लेकिन यदि सुरेश को नकदीकरण और सुरक्षा के साथ ही अपने धन पर बेहतर प्रतिफल कमाने का विकल्प दिया जाता है जो अत्यंत महत्वपूर्ण है, तो सुरेश निश्चित ही उस पर विचार करेंगे. इस प्रकार से, यदि आप बहुत ही कम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं तो आप सामान्य रूप से सेविंग्स बैंक खाते में जो धन रखते हैं उसका निवेश लिक्विड म्यूचुअल फंड नामक म्यूचुअल फंड के प्रकार में किया जा सकता है.

लिक्विड म्यूचुअल फंड्स :

जब हम 'लिक्विड' शब्द को आर्थिक दृष्टि से समझने का प्रयास करते हैं तो इसका अर्थ होता है ऐसी संपत्ति जो नकद जितनी ही अच्छी है. लिक्विड म्यूचुअल फंड्स कम से कम जोखिम भरे होते हैं और वे बचत खाते से कुछ अधिक ही प्रतिफल देते हैं. ये फंड्स कम जोखिम वाले निवेश क्षेत्र में निवेश करते हैं. अब, आइए हम अन्य निवेश उद्देश्य को विचार में लें जो कि 'आय का निर्माण' करता है. जैसे कि पहले चर्चा की गई है, हममें से कई लोग या तो फिक्स्ड डिपॉजिट्स या पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाओं में निवेश करते हैं. जब पूछा जाता है कि 'लोग वहाँ पर निवेश क्यों करते हैं?' तो एक सरल सा जवाब मिलता है कि ये ज़्यादा सुरक्षित हैं और अच्छे प्रतिफल भी देते हैं; फिर भले आपात्स्थिति में धन की ज़रूरत पड़ने पर वह उपलब्ध न हो. मूल रूप से जैसा कि पहले कहा जा चुका है, यहाँ ज़रूरत है निवेश के माध्यम की जो ज़्यादा सुरक्षित हो और बढ़िया प्रतिफल देता हो. इस श्रेणी में सही मेल खाने वाला पहलू है डेब्ट म्यूचुअल फंड.

निवेश लक्ष्य

पूँजी संरक्षण	सेविंग्स बैंक अकाउंट	पीपीएफ	लिक्विड फंड
आय का निर्माण	फिक्स्ड डिपॉजिट्स	पीओ-एमआईएस	डेब्ट फंड
पूँजी वर्धन	रीयल एस्टेट	सोना	इक्विटी फंड

डेब्ट म्यूचुअल फंड्स :

डेब्ट फंड कम जोखिम वाले फंड्स हैं. उनका लक्ष्य होता है स्थिर प्रतिफल निर्मित करना और साथ ही आपकी पूँजी का संरक्षण करना; ऐसी खूबी जो आपके निवेश पोर्टफोलियो में स्थिरता लाने में मदद करती है. यद्यपि सभी म्यूचुअल फंड्स में कुछ जोखिम होता है लेकिन ये लिक्विड फंड्स की तुलना में कम जोखिम भरे होते हैं. ये विशेष रूप से सरकारी बॉण्ड्स में निवेश करते हैं और एक निश्चित ब्याज दर पर प्रतिपल के लिए कॉर्पोरेट्स (बड़े संस्थान) को भी धन कर्ज में देते हैं. इस तरह से यदि आप मध्यम अवधि के दौरान लिक्विड फंड्स की तुलना में ऊँचा प्रतिफल पाना चाहते हैं तो डेब्ट म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना उचित होगा. ऐसे में डेब्ट म्यूचुअल फंड्स में मध्यम जोखिम होता है.

डेब्ट : इसका अर्थ है प्रतिफल की निश्चित दर (ब्याज दर) पर धन देना/उधार लेना. अत: डेब्ट में निवेश करने का अर्थ है निश्चित ब्याज दर पर प्रतिफल के लिए या तो कंपनियों को या फिर सरकार को धन देना.

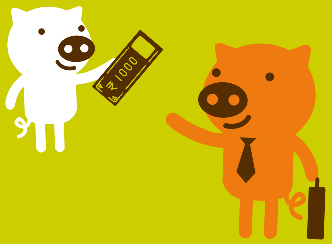

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स :

इक्विटी फंड्स को अन्य प्रकार के फंडों से अधिक जोखिम भरा माना जाता है, लेकिन अन्य फंडों की तुलना में ऊँचा प्रतिफल भी प्रदान करता है. ये फंड्स कंपनी की इक्विटी में यानी शेयर्स खरीदने के लिए निवेश करते हैं (आंशिक हिस्सेदारी). इस तरह से कंपनी के मालिक के नाते लाभ को कंपनी के कार्यनिष्पादन से जोड़ा जाएगा. दूसरे शब्दों में जोखिम ऊँचा होगा. फिर भी, वैविध्यीकरण यानी अनेक कंपनियों में निवेश करने के कारण जोखिम को कम किया जाता है. साथ ही लंबी अवधि के दौरान जोखिम का विस्तार हो जाता है और प्रतिफलों में चढ़ाव उतार सामान्य हो जाता है. यह सलाह दी जाती है कि पूँजीवर्धन के माध्यम से संपत्ति निर्माण चाहने वाले निवेशकों को दीर्घकालिक समय सीमा वाले इक्विटी फंड में करना चाहिए. इतिहास बताता है कि निवेश के रूप में इक्विटी ने अन्य सभी निवेश श्रेणियों को पछाड़ दिया है.

फिर भी जैसा कि पहले चर्चा की गई है म्यूचुअल फंड्स सभी प्रकार के निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं अत: ऐसा निवेशक जो इक्विटी और डेब्ट दोनों में निवेश करना चाहता है, उसके लिए फंड्स की एक श्रेणी है जिसे हायब्रिड म्यूचुअल फंड्स कहा जाता है.

इक्विटी : इक्विटी लेने का अर्थ है कंपनी में एक साझेदार बनना और पार्टनर का लाभ असीमित होगा तो हानियाँ भी असीमित होंगी. इस प्रकार से इक्विटी निवेश उच्च जोखिम उच्च प्रतिफल वाली श्रेणी में आते हैं.

हायब्रिड म्यूचुअल फंड्स :

जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि ये डेब्ट और इक्विटी फंडों का मिश्रण हैं; हायब्रिड फंड्स वे फंड होते हैं जिनके पोर्टफोलियो में शामिल है इक्विटियों, डेट्स और मनी मार्केट सिक्योरिटीज का मेल. इक्विटी और डेब्ट के मिश्रण के आधार पर विभिन्न प्रकार के हायब्रिड फंड्स हैं. आपकी जोखिम वहन करने की क्षमता के आधार पर आप अपने पोर्टफोलियो में हायब्रिड म्यूचुअल फंडों को शामिल करने पर विचार कर सकते हैं. इस प्रकार के फंड्स सुरक्षा जाल के कारण 100% इक्विटी फंड से कम जोखिम भरे होते हैं जो कि डेब्ट फंड घटक द्वारा प्रदान किया जाता है और जो इस प्रकार के म्यूचुअल फंड्स का भी हिस्सा होते हैं. म्यूचुअल फंड्स की संकल्पना और उनके प्रकारों को समझने के बाद कहाँ से और कैसे खरीदें इसकी चर्चा करने से पहले एनएवी की एक और महत्वपूर्ण संकल्पना को समझना होगा.

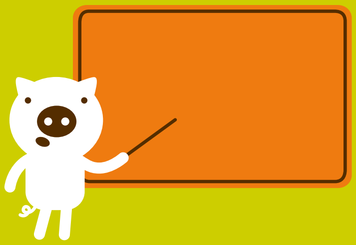

गलतफहमी

म्यूचुअल फंड एक इक्विटी उत्पाद है.

सच्चाई

जब लोग फंड्स के बारे में सोचते हैं तो उनके ध्यान में सिर्फ इक्विटी फंड्स ही आते हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि म्यूचुअल फंड ऐसा वाहन है जो किसी भी यात्री को ले जा सकता है. इक्विटी म्यूचुअल फंड्स स्टॉक मार्केट से शेयर्स खरीदते हैं और डेब्ट म्यूचुअल फंड्स डेब्ट उत्पादों जैसे सरकारी बॉण्ड्स, कॉर्पोरेट डिबेंचर्स और ट्रेजरी बिल्स खरीदते हैं. हर प्रकार के फंड का जोखिम बस द्वारा वहन किए जा रहे यात्रियों पर निर्भर होता है.

नेट असेट वैल्यू

एनएवी नेट असेट वैल्यू का संक्षिप्त रूप है. जिस प्रकार से हर शेयर का मूल्य होता है उसी प्रकार हर म्यूचुअल फंड का एक एनएवी होता है. दूसरे शब्दों में कहें तो एनएवी फंड का प्रति यूनिट बाज़ार मूल्य दर्शाता है. ये वह मूल्य है जिस पर निवेशक फंड यूनिटें खरीदते/बेचते हैं. म्यूचुअल फंड के संदर्भ में, आस्ति का मूल्य फंड के पोर्टफोलियो के कुल मूल्य में से देयताएँ घटाकर आई राशि होता है. आस्ति के इस मूल्य में बकाया यूनिटों की संख्या से भाग देकर आई संख्या को उस विशिष्ट फंड का एनएवी कहा जाता है. इस एनएवी की गणना सामान्य रूप से दैनिक आधार पर की जाती है.

एनएवी किसी भी दिन पर फंड द्वारा धारित शेयर्स/बॉण्ड्स/सिक्योरिटीज का बाज़ार मूल्य दर्शाता है. क्योंकि फंड के पोर्टफोलियो में अनेक शेयर्स होते हैं इसीलिए एनएवी सिर्फ पोर्टफोलियो के संयुक्त प्रतिफलों को प्रदर्शित कर सकता है. चाहे आप जिस स्कीम में निवेश करने की योजना बना रहे हैं उसका एनएवी रू.15 हो या फिर रू.150 हो, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. यदि कुल निवेश धारिता 10% से बढ़ती है तो रू.15 का एनएवी रू.16.5 हो जाएगा और रू.150 का एनएवी रू.165 हो जाएगा. इसीलिए 'कम' एनएवी और यूनिट्स की अधिक संख्या पर ध्यान देने के बजाय अन्य पहलुओं पर (कार्यनिष्पादन का ट्रैक रेकॉर्ड, फंड प्रबंधन, चढ़ाव उतार) विचार करना उचित होता है जो पोर्टफोलियो का प्रतिफल निर्धारित करते हैं. ऊँचे एनएवी वाला फंड कमतर एनएवी वाले फंड से भले ही ऊँचे प्रतिफल दे सकता है यदि उसकी धारिता (शेयर्स/बॉण्ड्स/सिक्योरिटीज) बेहतर प्रदर्शन करती हैं.

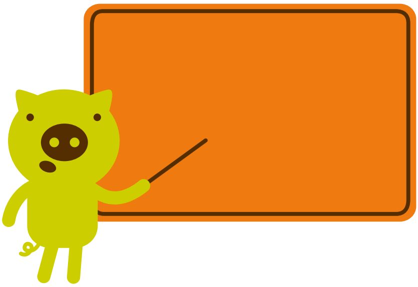

गलतफहमी

रू.10 एनएवी वाला म्यूचुअल फंड रू.25 एनएवी वाले म्यूचुअल फंड स्कीम से बेहतर होता है.

सच्चाई

यह संभवत: बहुत ही पुरानी भ्रांति है जिस पर निवेशक अब भी विश्वास करते हैं. तथ्य यह है कि निवेशित फंड पर प्रतिशत प्रतिफल मायने रखता है, जिस पर ध्यान नहीं जाता और नजरअंदाज कर दिया जाता है. उदाहरण के लिए, 10% पूँजीवर्धन के समान कार्यनिष्पादन स्तर पर रू.10 का एनएवी बढ़ कर रू.11 हो जाएगा जबकि रू.200 का एनएवी बढ़कर रू.220 हो जाएगा. यह एक आसान सच्चाई है जो कभी बताई गई और न ही सुनी गई है. असल में, पहले से प्रदर्शित कार्यनिष्पादन के कारण रू.200 की स्कीम के 10% का मूल्य वर्धन देने की संभावना उसकी तुलना में उच्चतर होगी जिसने हाल ही में अपनी पारी शुरू की है.

दीर्घ कालिक परिदृश्य की शक्ति

दीर्घ कालिक निवेश की संकल्पना की तुलना अक्सर बर्फ के गोले से की जाती है – जब तक यह लुढकता रहता है, इसकी वृद्धि होती रहती है. उसी प्रकार, निवेश चाहे जितना छोटा हो, समय के साथ आपका धन और भी पैसे आकर्षित करता है और बढ़ता जाता है. इस प्रभाव को चक्रवृद्धि की ताकत कहते हैं. जैसा कि दाईं तरफ दर्शाया गया है, 8% की ब्याज दर पर हर महीने निवेशित की जाने वाली रू.1000 की छोटी सी राशि बहुत ही अच्छा प्रतिफल देगी. असल में, लंबी अवधि के दौरान छोटे योगदानों की वृद्धि आपकी भावी ज़रूरतों का ख्याल आराम से रख लेगी. छोटे योगदानों के अलावा महत्वपूर्ण ये है कि आप वास्तविकतापूर्ण लक्ष्य तय करते हैं और अपने अधिकांश निवेश करते समय धैर्य रखते हैं.

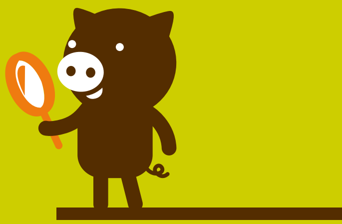

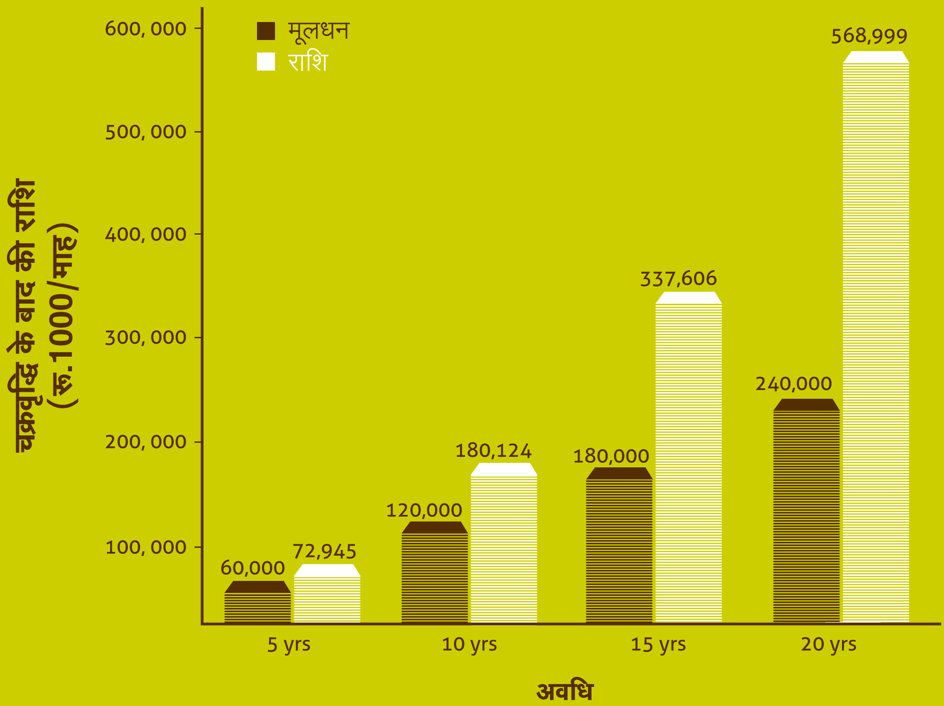

चक्रवृद्धि की शक्ति

- ''चक्रवृद्धि की शक्ति'' की संकल्पना को स्पष्ट करने के लिए यह एक काल्पनिक उदाहरण है, जिसमें माना गया है कि व्यक्ति 8% की ब्याज दर पर हर महीने रू.1000 की बचत करता है.
- पिछला कार्यनिष्पादन भविष्य मे कायम रह सकता है या शायद न भी रहे.

जल्द शुरुआत करने का लाभ

लंबे समय तक निवेशित रहना महत्वपूर्ण है लेकिन अंतिम प्रतिफल को अधिकतम करने की दृष्टि से आपके लिए जल्द शुरुआत करना जरूरी है. नीचे दिया गया उदाहरण जल्द शुरुआत करने के फायदों को साफ तौर से वर्णित करता है – रवि और शशि हर महीने रू.2000 का निवेश शुरू करते हैं और मासिक चक्रवृद्धि आधार पर ब्याज अर्जित करते हैं. केवल फर्क इतना है कि रवि 25 की उम्र में शुरू करता है जब कि शशि 35 की उम्र में शुरुआत करती है. दोनों ही 5 वर्ष के दौरान रू.1.2 लाख का निवेश करते हैं और 60 वर्ष की उम्र होने तक अपने निवेशों को कायम रखते हैं. रवि का निवेश बढ़कर रू.14,08551 हो जाता है और शशि का निवेश बढ़कर केवल 5,68,999 हो जाता है. इस प्रकार से इस तथ्य को बल मिलता है कि – समयावधि जितनी अधिक होगी, प्रतिफल उतने ही बेहतर होंगे.

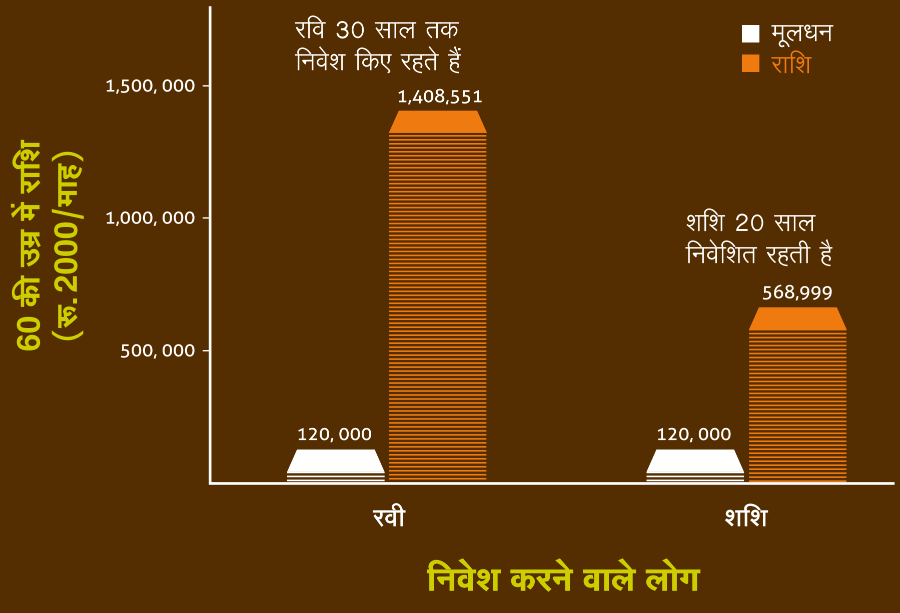

• ''चक्रवृद्धि की शक्ति'' की संकल्पना को स्पष्ट करने के लिए यह एक काल्पनिक उदाहरण है, जिसमें माना गया है कि व्यक्ति 8% की ब्याज दर पर हर महीने रू.2000 की बचत करता है.

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

देखिए कैसे निवेश किया जाता है

यदि आप नहीं जानेंगे कि कहाँ और कैसे निवेश किया जाना चाहिए तो यह सारा ज्ञान बेकार हो जाएगा. इससे पहले महत्वपूर्ण ये है कि कितना निवेश करना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर आपके लक्ष्यों पर निर्भर होगा. जैसे कि पहले चर्चा की जा चुकी है, हर व्यक्ति के लक्ष्य जीवन में पूर्ण की जानेवाली जिम्मेदारियाँ अलग अलग हो सकती हैं, इसीलिए कितनी राशि का निवेश करना चाहिए यह अलग अलग व्यक्तियों के लिए अलग अलग होगा. उदाहरण के लिए, 2 बच्चों वाले पति पत्नी की ध्यान रखने लायक जिम्मेदारियाँ अलग हो सकती हैं, जब कि सेवानिवृत्त युगल की प्राथमिकताएँ भिन्न होती है और साथ ही पूर्ण किए जाने वाले लक्ष्य भिन्न होते हैं. इस तरह से 'कितना खरीदना चाहिए?' वाला प्रश्न नहीं उठना चाहिए. यह सवाल पूछना महत्वपूर्ण है कि 'कैसे खरीदें?'

सर्वप्रथम हर किसी को अपने आर्थिक लक्ष्य साफ तौर से तय करने की ज़रूरत होती है जिसे लक्ष्य नियोजन भी कहा जाता है, उसके बाद लक्ष्यों और आप द्वारा वहन किए जा सकने वाले जोखिमों के आधार पर म्यूचुअल फंड्स की पहचान और मूल्यांकन करें. आप उन्हें ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकते हैं. ऑनलाइन या तो असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी यानी म्यूचुअल फंड कंपनी) की वेबसाइट के माध्यम से सीधे किया जा सकता है या फिर किसी डिस्ट्रिब्यूटर पार्टनर के माध्यम से किया जा सकता है जो म्यूचुअल फंड्स (उदा. बैंक, स्टॉक ब्रोकर्स) इ. में निवेश करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं. अन्यथा व्यक्ति स्थानीय डिस्ट्रिब्यूटर/सलाहकार को कॉल कर सकता है/जा सकता है/संपर्क कर सकता है जहाँ आपको फॉर्म भरने की ज़रूरत होगी और फिर संबंधित दस्तावेजों के साथ उसे जमा करना होगा. फायनांशियल डिस्ट्रिब्यूटर यह काम करने में आपकी मदद करेगा. एक बार एएमसी (म्यूचुअल फंड कंपनी) आपका फॉर्म स्वीकार कर लेती है और आपका भुगतान सफल हो जाता है तो आप म्यूचुअल फंड के माध्यम से अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तैयार है.

इक्विटी

डेब्ट

नकद

अकेला

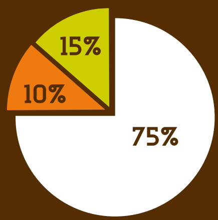

बच्चों वाले युगल

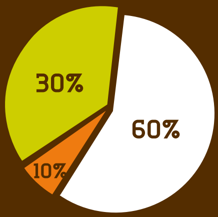

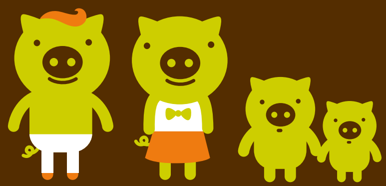

सेवानिवृत्त

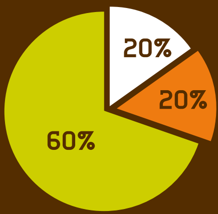

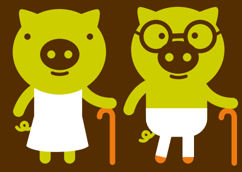

यह एक उदाहरण है. कई मॉडल्स उपलब्ध है जो आपके पोर्टफोलियो में उपयुक्त निवेश मिश्रण का सुझाव देते हैं. सही पोर्टफोलियो बनाने के लिए पेशेवर फायनांशियल प्लानर की सलाह लें, क्योंकि उम्र और परिवार के आकार के अलावा अनेक परिवर्तनशील पहलू होते हैं.

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

किससे संपर्क करें

देश भर में ऐसे करीब 1 लाख सीधे सूचीबद्ध डिस्ट्रिब्यूटर्स हैं जो म्यूचुअल फंड्स बेचते हैं. फिर भी, म्यूचुअल फंड में आपकी सहायता कर सकने वाले लोगों की कुल संख्या बहुत बड़ी है क्योंकि ऐसे अनेक बैंक होंगे जो म्यूचुअल फंड्स के वितरक होंगे. इसके अलावा कुछ बड़े वितरक भी हैं जिनके पास भारत भर में नियुक्त विशाल सेल्स टीम है.

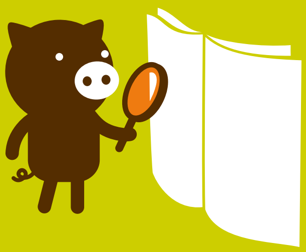

भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों का वेबसाइट एड्रेस और फोन नंबर

एएमसी का नाम	वेबसाइट	टोल-फ्री नंबर
• एआईजी ग्लोबल असेट मैनेजमेंट कं. (इंडिया) प्रा. लि.	aiginvestments.co.in	1800 200 3444
• ऐक्सिस असेट मैनेजमेंट कंपनी लि.	axismf.com	1800 3000 3300
• बडौदा पायनियर असेट मैनेजमेंट कं. लि.	barodapioneer.in	1800 419 0911
• बेंचमार्क असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	benchmarkfunds.com	1800 22 5079
• भारती अक्सा इनवेस्टमेंट मैनेजर्स प्रा. लि.	bhartiaxa-im.com	1800 103 2263
• बिरला सन लाइफ असेट मैनेजमेंट कं. लि.	birlasunlife.com	1800 270 7000 1800 22 7000
• बीएनपी पारिबास म्यूचुअल फंड	bnpparibasmf.in	022 33704000

एएमसी का नाम	वेबसाइट	टोल-फ्री नंबर
• केनरा रोबेको असेट मैनेजमेंट कं. लि.	canararobeco.com	1800 209 2726
• दाइवा असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	daiwafunds.in	1800 419 5000
• डाउश असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	dws-india.com	1800 209 5005
• डीएसपी ब्लैकरॉक इनवेस्टमेंट मैनेजर्स लि.	dspblackrock.com	1800 200 4499
• एडेलवाइस असेट मैनेजमेंट लि.	edelweissmf.com	1800 425 0090
• एस्कॉर्ट्स असेट मैनेजमेंट लि.	escortsmutual.com	011 4358 7420/ 4358 7415
• एफआईएल फंड मैनेजमेंट प्रा. लि.	fidelity.co.in	1800 2000 400/ 1800 180 8000
• फ्रैंकलिन टेंपलटन असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	franklintempletonindia.com	1800 425 4255/ 60004255
• गोल्डमैन सैच्स असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	gsam.in	022 66279032
• एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कं. लि.	hdfcfund.com	1800 233 6767
• एचएसबीसी असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	assetmanagement.hsbc.com	66145000
• आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल असेट मैनेजमेंट कं. लि.	icicipruamc.com	1800 222 999/ 1800 200 6666
• आईडीबीआई असेट मैनेजमेंट लि	idbimutual.co.in	1800 22 4324
• आईडीएफसी असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	idfcmf.com	1800 22 6622
• इंडिया इन्फोलाइन असेट मैनेजमेंट कं. लि.	iiflmf.com	1800 200 2267
• आईएनजी इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	ingim.co.in	1800 22 0042
• जेएम फायनांशियल असेट मैनेजमेंट प्रा. लि.	jmfinancialmf.com	1800 1038 345

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

एएमसी का नाम	वेबसाइट	टोल-फ्री नंबर
• जेपी मॉर्गन असेट मैनेजमेंट इंडिया प्रा लि.	jpmorganmf.com	1800 22 5763
• कोटक महिंद्रा असेट मैनेजमेंट कं. लि.	kotakmutual.com	1800 22 2626
• एलआईसी म्यूचुअल फंड असेट मैनेजमेंट कं. लि.	licnomuramf.com	022 220 42450
• एल एंड टी इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड	lntmf.com	1800 209 6565
• मिराइ असेट ग्लोबल इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा. लि.	miraeassetmf.co.in	1800 1020 777
• मॉर्गन स्टेन्ली इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट प्रा. लि.	morganstanley.com	1800 425 1313
• मोतीलाल ओस्वाल असेट मैनेजमेंट कं. लि.	motilaloswal.com	1800 200 6626
• पीयरलेस फंड मैनेजमेंट कं. लि.	peerlessmf.co.in	1800 200 9995
• प्रामेरिका असेट मैनेजर्स प्रा. लि.	pramericamf.com	1800 266 2667
• प्रिंसिपल पीएनबी असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	principalindia.com	1800 425 5600
• क्वांटम असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	quantumamc.com	1800 22 3863
• रिलायंस कैपिटल असेट मैनेजमेंट लि.	reliancemutual.com	1800 300 11111
• रेलिगेयर असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	religaremf.com	1800 209 0007
• सहारा असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	saharamutual.com	022 67520121/27
• एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्रा. लि.	sbimf.com	1800 425 5425
• सुंदरम बीएनपी पारिबास असेट मैनेजमेंट कं. लि.	sundarammutual.com	1800 425 7237

एएमसी का नाम	वेबसाइट	टोल-फ्री नंबर
• टाटा असेट मैनेजमेंट लि.	tatamutualfund.com	1800 209 0101
• तौरस असेट मैनेजमेंट कं. लि.	taurusmutualfund.com	022 66242700
• यूनियन केबीसी असेट मैनेजमेंट कं. प्रा. लि.	unionkbc.com	1800 200 2267
• यूटीआई असेट मैनेजमेंट कं. लि.	utimf.com	1800 22 1230

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

वित्तीय लक्ष्य

▼

पहचानना 'क्या खरीदें'

▼

विभिन्न म्यूचुअल फंड कंपनी के फंडों का मूल्यांकन

▼

ऑनलाइन | ऑफलाइन

▼ ▼

म्यूचुअल फंड कंपनी | फायनांशियल डिस्ट्रिब्यूटर

▼ ▼

फॉर्म भरें

▼ ▼

संबंधित दस्तावेज जोड़ें

▼ ▼

जमा करें

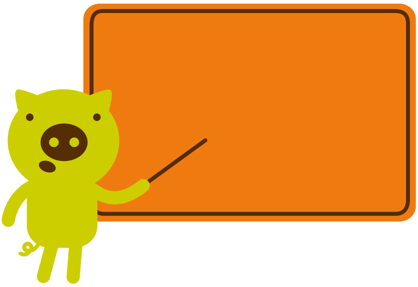

गलतफहमी

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए आपको डिमैट अकाउंट की ज़रूरत होती है.

सच्चाई

म्यूचुअल फंड्स को या तो ऑनलाइन खरीदा जा सकता है एएमसी (म्यूचुअल फंड कंपनी) या ब्रोकर के जरिए; फिर भी व्यक्ति कागजी स्वरूप में फॉर्म भरकर ऑफ लाइन निवेश भी कर सकता है. निकटतम डिस्ट्रिब्यूटिंग पार्टनर से संपर्क किया जा सकता है जो कि या तो बैंक, वैयक्तिक फायनांशियल एड्वाइज़र हो सकता है या स्टॉक ब्रोकर भी हो सकता है जो म्यूचुअल फंड्स बेचता है. यदि किसी के पास डिमैट अकाउंट है तो वह डिमैट स्वरूप में म्यूचुअल फंड्स खरीद सकता है या फिर वह फॉर्म भरकर इसे ऑफ लाइन भी खरीद सकता है.

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

आपके निवेश करने के बाद

आप एक बार म्यूचुअल फंड खरीद लेते हैं तो आपको एक स्टेटमेंट मिलेगा जिसमें विवरण होंगे जैसे कि आपके निजी विवरण, निवेशित राशि, वर्तमान एनएवी इत्यादि इस स्टेटमेंट को अकाउंट स्टेटमेंट कहा जाता है. अपने निवेशों के कुछ दिन बाद आपको न सिर्फ अकाउंट स्टेटमेंट मिलता है बल्कि समय समय पर अद्यतनीकृत अकाउंट स्टेटमेंट भी मिलता है, इस तरह से म्यूचुअल फंड हाउस आपके निवेशों पर आपको नवीनतम जानकारी से अवगत कराता रहता है.

अब हम सब देख चुके हैं कि म्यूचुअल फंड्स क्या हैं और व्यक्ति क्यों और कैसे निवेश कर सकता है. महत्वपूर्ण हिस्सा जिसकी चर्चा हम बारंबार कर चुके हैं; निवेश तभी सार्थक होते हैं जब ज़रूरत के समय में आप उसका उपयोग कर सकें. इस तरह से यह समझना और भी महत्वपूर्ण है कि ज़रूरत पड़ने पर अपना धन आप वापस कैसे पा सकते हैं.

यह बहुत ही आसान है, आपको बस एक फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है और सुनिश्चित करना होता है कि फॉर्म को एएमसी (म्यूचुअल फंड कंपनी) में जमा करा दिया जाय. अब इस पर अनेक प्रश्न खडे होते हैं, यह कैसे किया जाता है? आइए इसे विस्तार से समझें.

धन निकालने के लिए आवेदन की प्रक्रिया को रिडेम्पशन कहा जाता है. रिडेम्पशन फॉर्म या तो ऑनलाइन या ऑफलाइन पाया जा सकता है. ऑनलाइन यह एएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा, या व्यक्ति एएमसी के शाखा कार्यालय या फायनांशियल वितरक से कागजी फॉर्म ले सकते हैं (वह सूची जैसे कि पहले दी गई है). इतना ही नहीं, आपको मिलने वाले हर अकाउंट स्टेटमेंट में पेज के निचले भाग में रिडेम्पशन फॉर्म होता है. व्यक्ति को वह फॉर्म भरना चाहिए, उस पर हस्ताक्षर करना चाहिए और जमा करा दना चाहिए. स्कीम में निर्धारित दिनों के अनुसार धन आपके बैंक खाते में चला जाता है लेकिन इसमें लगने वाला अधिकतम समय जमा कराने के बाद 3 कार्य दिवसों से अधिक नहीं होगा.

कॉमन ट्रांजैक्शन स्लिप
(म्यूचुअल फंड कंपनी की वेबसाइट से डाउनलोड कीजिए या उसे शाखा या फायनांशियल डिस्ट्रिब्यूटर से प्राप्त कीजिए)

▼

रिडेम्पशन चुनिए

▼

संपूर्ण संबंधित जानकारी
(आप आंशिक निकासी भी कर सकते हैं)

▼

फॉर्म पर हस्ताक्षर कीजिए
(यूनिट्स के सभी आवेदकों को हस्ताक्षर करना चाहिए)

▼

जमा करें
(विशिष्ट म्यूचुअल फंड कंपनी की शाखा में फॉर्म जमा करें)

▼

आपके बैंक खाते में धन
(स्कीम विशिष्ट अवधि के अनुसार धन आपके खाते में जमा हो जाता है)

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

अब मुझे विश्वास है कि आप सुरेश की तरह कदम नहीं उठाएंगे. जागरूकता के साथ आप फायनांशियल मार्केट और म्यूचुअल फंड्स के बारे में सकारात्मक बातें जुटाएंगे. संक्षिप्त में कहें तो आपको अपने लक्ष्य तय करने चाहिए, फिर निवेश साधन का फैसला करना चाहिए, अपने लक्ष्यों और जरूरतों के आधार पर उपयुक्त म्यूचुअल फंड चुनिए और निवेश कीजिए, और बाकी चिंता म्यूचुअल फंड कंपनियों के भरोसे छोड़ दीजिए.

कृपया किसी भी अधिक विवरण के लिए अपने निकटतम म्यूचुअल फंड कार्यालय/फायनांशियल वितरक (बैंक/इंडिविजुअल फायनांशियल एड्वाइजर इत्यादि) से संपर्क करें.

असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया
वन इंडियाबुल्स सेंटर
टावर 2, विंग बी, 701, 7वीं मंज़िल,
841 सेनापती बापट मार्ग
एल्फिंस्टन रोड, मुंबई–400 013
विजिट करें : www.amfiindia.com